त्रातृ *m.* (r. त्रै s. तृ) servator. MAH. 3. 15931.

त्रास *m.* (r. त्रस् s. अ) metus, terror. RAGH. 9. 58.

त्रि (*N. m.* त्रयस्, *f.* तिस्रस् pro तिसरस् a stirpe तिसृ, *n.* त्रीणि) tres. (Gr. lat. lith. slav. hib. *TRI*, nom. m. f.: gr. τρεῖς, lat. *tres*, lith. *trys*, hib. *tri*, slav. masc. ТРЇЕ, fem. ТРИ *tri*; goth. *THRI*, nom. m. f. *threis*. Ad fem. तिस्रस् referuntur hib. vet. *teora*, cambro-brit. fem. *tair*, armor. *teir*; v. Pictet p. 145., gr. comp. §. 310.)

त्रिंशत् (ut mihi videtur, pro त्रिदशत् mutatâ mediâ in nasalem, sicut vice versâ lith. et slav. *d* vocum *dewyni, devjatj* novem ortum est ex *n*; v. gramm. comp. 317.) triginta. (Lat. *triginta*, gr. τριάκοντα, hib. *triochat.*)

त्रिक *n.* spinae pars inferior. RAGH. 6. 16.

त्रिगर्त *m.* nomen regionis (Wils.: *A country in the north-west division of India, apparently part of Lahore.*) DR. 2. 7.

त्रिङ्ख् 1. *P.* (scribitur त्रिख्, gr. 110[a].) ire; *v.* त्रङ्क्.

त्रितय *n.* (e त्रि s. तय) trium numerus, trinitas. BR. 2. 21. (Hib. *treidhe* «three things, three parts».)

त्रिदश *m. pl.* (ut mihi videtur, a त्रयोदशन् tredecim, quod pro त्रिदशन्) Dii, exceptis Brahmâ, Vischnu et Sivo. N. 4. 31.; Lass. 15. 8.

त्रिदशत्व *n.* (a praec. s. त्व) divinitas. RAGH. 16. 30.

त्रिदशालय (e त्रिदश et आलय domus, habitatio) 1) *TATP.* deorum habitatio. IN. 5. 36. 2) *BAH.* deorum habitationem habens i. e. Deus. IN. 1. 12.

त्रिदिव *n.* (*DVIGU.* gr. 674. e त्रि et दिव coelum, tres coeli) *Indri* coelum. IN. 4. 6. *cf.* त्रिपिष्टप.

त्रिधा (e त्रि s. धा) trifariam. BH. 18. 19. (Gr. τρίχα, dor. τρίχθα; v. gr. comp. 325.)

त्रिनेत्र *m.* (tres oculos habens, *BAH.* e त्रि et नेत्र oculus) cognomen *Sivi.*

त्रिपथ *n.* (*DVIGU.* e त्रि et पथ) trivium. HEM.

त्रिपथगा *f.* (e praec. et ग iens *in fem.*) nomen Gangis. UP. 28.

त्रिपिष्टप *n.* (*DVIGU.* gr. 674. e त्रि et पिष्टप mundus, tres mundi) *Indri* coelum, *v.* त्रिदिव.

त्रिपुर (e त्रि et पुर *n.* urbs) 1) *n.* nomen regionis (Wils.: *the modern Tipperah*). 2) *m.* nomen unius *Asurorum*, *Tripuri* regis.

त्रिपुरघ्न *m.* (e praec. et घ्न q. v. occidens) cognomen *Sivi.*

त्रिरात्र *n.* (*DVIGU*, gr. 674., e त्रि et रात्र pro रात्रि, gr. 681.) tres noctes. N. 9. 7. 10.

त्रिविक्रम *m.* (*BAH.* e त्रि et विक्रम passus) nomen Vischnûs. AM.

त्रिविष्टप *n.* (e त्रि et विष्टप i. q. पिष्टप) i. q. त्रिपिष्टप. RAGH. 6. 78.

त्रियामा *f.* (*BAH.* e त्रि et याम vigilia) nox. UP. 57.

त्रिस् (a त्रि s. स्) ter. (Gr. τρίς, lat. *ter.*)

त्रुट् 4. et 6. *P.* 10. *A.* (छेदने *K.* छिदि *V.*) findi, rumpi. HIT. 15. 10.: यावन् मे दन्ता न त्रुट्यन्ति तावद् भवतः पाशञ् छिनद्मि; BHAR. 1. 95.: अनङ्गकलह-क्रीडात्रुटत्तन्तुकम् मुक्ताजालम्. (Cf. gr. τρύω.)

त्रुटि *f.* (r. त्रुट् s. इ) parvum momentum. MAH. 1. 1292.

त्रुटी *f. id.*

त्रुप् 1. *P.* (वधे) ferire, occidere. (V. तुप् et cf. gr. ΤΡΥΦ, θρύπτω, τρύφος, lith. *truppù* frior, minutatim conteror, *truppinu* frio, *trumpa-s* brevis, *trumpinu* in brevius contraho.

त्रुफ् 1. *P. id.*

त्रुम्प् 1. *P. id.*

त्रुम्फ् 1. *P. id.*

त्रै 1. *A.* (ortum esse videtur ex तारय् i. e. तॄ in formâ caus.) servare, liberare. MAN. 9. 138.: नरकात् त्रायते पितरं सुतः; R. Schl. I. 62. 12.: त्रायसे ऽन्यसुतान्. *Pass.* BH. 2. 40.: त्रायते महतो भयात्. Se servare. N. 13. 16.: त्रायध्वन् धावत. — *Part. pass.* त्रात et त्राण. (V. त्रा et तॄ in form. caus.)

c. परि *i. q. simpl.* BR. 3. 6.: तान् स्वयं वै परित्रास्ये.

c. सम् *id.* MAH. 1. 6819.: सन्त्रातुम् अर्हसि.

त्रैगुण्य *n.* (a त्रिगुण *n.* tres qualitates, gr. 674., s. य) *Abstractum vocis* त्रिगुण. BH. 2. 45.